पहली चुदाई के बाद लण्ड का चस्का लगा

“मैं गर्ल हॉस्टल में रहती थी। एक बार लड़कियों ने मुझे ब्ल्यू फ़िल्म दिखाई और मेरे बदन को छेड़ने लगी। मेरी चूत गीली हो गई और उसके बाद…

कहानी में पढ़िए, मज़ा लीजिए !! …”

Story By: तारिका गर्ग (tarika)
Posted: Saturday, May 28th, 2016
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: पहली चुदाई के बाद लण्ड का चस्का लगा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहली चुदाई के बाद लण्ड का चस्का लगा

बात उन दिनों की है.. जब मैं कानपुर में हॉस्टल में रहती थी। मेरी उम्र उस समय 21 साल थी। मेरा मन सिर्फ़ पढ़ने में व्यस्त रहता था। साथ की लड़कियाँ अपने-अपने ब्वाय फ्रेंड्स के साथ बात करने में हमेशा व्यस्त रहती थीं और काफ़ी चुलबुली भी थीं।

एक दिन लड़कियों ने ब्लू-फ़िल्म देखने की योजना बनाई। उन्होंने फ़िल्म चालू की.. एक लड़की ने मुझे फ़िल्म देखने के लिए बुलाया। उसके बहुत अनुरोध करने पर मैं फ़िल्म देखने पहुँची। मुझे नहीं मालूम था कि यह कोई अलग तरह की फ़िल्म थी। लड़कियों ने मुझे बताया कि यह एक धार्मिक फ़िल्म है.. लेकिन जब मेरी नजर उस फिल्म पर गई.. तो मैं तो सन्न रह गई।

लड़कियाँ मुझ पर हँस रही थीं। एक ने मुझे पकड़ते हुए बोला- इसको चुदाई कहते हैं रानी..

मुझे तो सांप सूंघ गया। मैं वहाँ से जाने की कोशिश में ज्यों ही मुड़ी कि एक लड़की ने मुझे समझाते हुए कहा- यह तो सभी लोग कभी ना कभी अपने जीवन में करते ही हैं।

उसने बड़े ही प्यार से मुझे अपनी गोद में बैठा लिया। मुझे शर्म आ रही थी.. उसने मुझसे कहा- यहाँ हम लोगों के घर का कोई भी नहीं है.. तुम बेझिझक हो कर इसे देखो और आनन्द लो। यह भी पढ़ाई की तरह से जीवन में बहुत काम आएगा।

लाइट को बंद कर दिया गया.. जिससे झिझक थोड़ी कम हो गई।
अब मुझे भी नशा छाने लगा, फ़िल्म में दो आदमी एक औरत की चुदाई कर रहे थे। एक का लण्ड औरत की चूत में अन्दर तक घुसा हुआ था जबकि दूसरा आदमी औरत के मुँह में

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपना लण्ड अन्दर-बाहर कर रहा था।

यह सब देख कर अब मेरी चूत भी गीली होने लगी.. तभी मेरी एक दूसरी सहेली ने कुछ इशारा किया.. जिसे देख कर जिस लड़की की गोद में मैं बैठी थी.. उसने अपना हाथ मेरी पैंटी में डाल दिया और अपना हाथ घुमाने लगी।

उसने इशारा करने वाली लड़की को अपने पास बुलाया और बोली- देखो इसकी चूत तो गीली हो रही है.. जिसका अर्थ है कि इसे मजा आ रहा है।
दूसरी लड़की ने मेरे कपड़े खोलने शुरू कर दिए। शुरू में मैंने थोड़ा विरोध किया लेकिन बाद में उनके आगे मेरी एक भी नहीं चली।

दोनों ने मुझे पूरी नंगी कर दिया और मेरी टांगों को फैला दिया.. जिससे मेरी चूत बाहर की तरफ आ गई।
एक ने मेरी चूत में अपनी उंगली फिर से डाल कर मेरी आग को भड़काना शुरू कर दिया.. जबकि दूसरी ने मेरे चूचों को मसलना शुरू कर दिया।

उधर फ़िल्म में कई आसनों में चुदाई चल रही थी.. जिसको देख कर तथा दोनों लड़कियों के स्पर्श से मेरे शरीर की आग और भड़क रही थी। तभी एक लड़की ने मेरी टांग को उठा कर अपने कंधे पर रख दिया.. जिससे मेरी चूत और खुल गई। दूसरी लड़की की उंगली अभी भी मेरी चूत में पड़ी हुई थी।

उधर किसी ने फ़िल्म की आवाज थोड़ी और बढ़ा दी.. जिससे मदहोश करने वाली आवाजें मुझे और बदहवास करने लगीं। तभी कुछ दूसरी लड़कियों की नजरें हम लोगों की तरफ पड़ी।

तभी उनमें से किसी ने कहा- यहाँ तो दो-दो ब्लू-फ़िल्में चल रही हैं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सब लड़कियाँ हँस पड़ीं।

अभी भी उंगली से मेरी चुदाई चल रही थी कि उंगली डालने वाली ने कहा- लगता है कि अभी इसकी सील नहीं टूटी है.. इसने अपने सामान को बचा कर रखा हुआ था। यहाँ तो हॉस्टल की लगभग सभी लड़कियाँ लण्ड से चुद चुकी हैं.. पता नहीं क्यूँ.. इसने अभी तक इसे बचा कर रखा है।

उधर मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं।
मैं तो जैसे नशे की हालत में सी थी। एक तरफ ब्लू-फ़िल्म में चूत-लण्ड का खेल चल रहा था.. दूसरी तरफ हॉस्टल की लड़कियाँ आज मुझे अभी तक इससे दूर रहने का मानो दंड देने में लगी हुई थीं।

तभी एक लड़की ने कहा- सिर्फ उँगलियों से काम नहीं चलेगा.. आज इसका सीधे लण्ड से दीदार कराते हैं..
दूसरी लड़की ने पूछा- अभी उसकी व्यवस्था कैसे हो पाएगी ?
तब उसने कहा- मेरा ब्वाय फ्रेंड कालू शहर आया हुआ है.. उसके लण्ड के मार से इसकी चूत निखर जाएगी।

अब मुझे भी लण्ड की जरूरत महसूस होने लगी थी.. लेकिन कभी न खाने की वजह से थोड़ा डर भी लग रहा था।
उधर मेरी सहेली ने अपने मोबाइल से कालू को फोन कर मेरी सेवा के बारे में बताया तो वो मचल गया।

वह आधे घंटे में ही पहुँच गया। वहाँ की स्थिति देख कर उसका लण्ड खड़ा हो गया। उसकी महिला मित्र ने कपड़े के ऊपर से ही लण्ड के उभारों को सहलाना शुरू कर दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तब कालू ने पूछा- आज किसकी चूत की सेवा करनी है ?
मेरी सहेली ने मेरी तरफ इशारा कर दिया।
कालू ने कहा- इसकी चूत को देख कर लगता है कि अभी तक इसने कोई लण्ड नहीं खाया है.. यह मेरी खुशकिस्मती है कि आज मुझे कुंवारी चूत को हरा-भरा करने का मौका मिला है।

उसने अपना हाथ मेरी चूत पर फेरा.. तो कहा- इसके झांटें तो काफी बढ़ी हुई हैं.. इन्हें पहले साफ़ करना पड़ेगा।
उसने अपनी महिला मित्र को रेज़र लाने के लिए कहा और थोड़ी ही देर में मेरी चूत की सफाई शुरू हो गई।
दो लड़कियों ने मेरे पैर फैला रखे थे और कालू शेविंग क्रीम मेरी चूत पर लगा कर हाथों से मल रहा था।

उसके हाथों के स्पर्श से लण्ड खाने की मेरी चाहत और बढ़ गई। थोड़ी देर में मेरी झांटों को साफ़ कर दिया गया। अब तक ब्लू-फ़िल्म में मसाज का सीन आ गया था.. जिसमें तेल लगाकर औरत की चूत और चूचों की मालिश चल रही थी। मेरे लिए भी तेल लाया गया और कालू अपने हाथों से मेरे चूतड़ों चूत और चूचों की मालिश करने लगा।

पैंट के अन्दर से कालू का तगड़ा लौड़ा बाहर उभर आया था। मेरी सहेली ने मेरा हाथ उसके लौड़े पर रख दिया और पता ही नहीं चला कि कब मेरे हाथ ने उसके लौड़े को सहलाना शुरू कर दिया।

मेरी सहेली ने कालू को बोला- सिर्फ सहलाओगे ही या भोग भी लगाओगे ?
यह कह कर उसने कालू के पैंट को नीचे सरका दिया.. जिससे उसका मूसल लौड़ा बाहर निकल कर फुंफकारने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं थोड़ी सी घबराई.. लेकिन तभी मेरी सहेली ने कहा- यही तो मेरा यहाँ ख्याल रखता है। पहली बार ही थोड़ा दर्द होगा.. लेकिन बाद में बहुत मजा आएगा।

तब जाकर मुझे थोड़ी हिम्मत आई। मैंने मन ही मन उसे इजाजत दे दी। दो लड़कियों ने मेरी दोनों टांगें फैला दीं और कालू को इशारा किया।
कालू ने अपनी गोद में मुझे बिठा लिया और पीछे से चूत के मुँह पर अपने लण्ड के सुपारे को रखा।

तेल की मालिश से चूत चमक रही थी। तभी मेरी एक शुभचिंतक सहेली ने अपनी एक अन्य सहेली को कुछ इशारा कर दिया और मेरे चेहरे को अपनी ओर घुमाकर मेरे मुँह में अपना मुँह डालकर मेरा ध्यान बंटाने की कोशिश करने लगी।

इतने में कालू के नीचे से एक जोरदार धक्के ने मेरी हालत ख़राब कर दी। मेरी चूत में हलचल बढ़ गई थी। मैंने मुड़ने की कोशिश की.. लेकिन मेरी सहेली ने धैर्य रखने को कहा। फिर कालू ने मेरे दोनों चूचों को एक ही हाथ से पकड़ते हुए तथा दूसरे हाथ से कमर को जकड़ते हुए एक और जोरदार धक्का मारा.. जिससे उसका आधा लण्ड मेरी चूत के अन्दर समा गया।

मेरी तो जैसे जान ही निकल गई। लड़कियों ने ताली बजा दी.. जैसे कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो गई हो।

मेरी सील टूट गई थी। चूत से खून निकल रहा था। मैं फिर घबराई.. तभी मेरी सहेली ने मुझसे कहा- कालू का मूसल लण्ड खाने के बाद आगे कोई भी लण्ड खाने पर तुम्हें कोई भी दिक्कत नहीं होगी। अब तो रानी मजा लेने की बारी है।

उधर फ़िल्म में चुदाई का नया दौर शुरू हो चुका था और ‘फचाक.. फचाक..’ की आवाज आ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रही थी।

कालू ने मुझे जमीन पर लिटा दिया और बीच में आकर धीरे-धीरे अपना लौड़ा मेरी चूत में सरकाने लगा। उसने मेरी मुँह में अपना मुँह डाल दिया और रफ़्तार तथा दबाव बढ़ाने लगा। मुझे भी अब मजा आने लगा था।

तभी मेरी सहेली ने कालू को कहा- तुम्हारा आधा लण्ड तो बाहर है.. पूरा डाल दो। फिर मुझसे कहा- तुम भी सहयोग करो। कालू ने अपना लौड़ा निकाला.. कुछ थूक लगाया.. फिर चूत के मुँह पर रखकर जोर का धक्का मारा और दो-तीन जोरदार धक्के में पूरा लण्ड चूत में घुसेड़ दिया।

शुरूआती तकलीफ के बाद मुझे मजा आने लगा। अब मैं भी चूतड़ उठा-उठा कर सहयोग करने लगी।

मेरी चुदाई से लड़कियाँ खुश थीं। किसी ने कहा- देर से सही.. लेकिन दुरुस्त चुदाई हो रही है।

आधा घण्टा लिटा कर मेरी लेने के बाद कालू ने मुझे खड़ा कर दिया। मेरी एक टांग उठाकर अपनी कमर पर रखकर तथा पीछे चूतड़ पर हाथ से दबाव बनाकर अपना मूसल लौड़ा फिर से मेरी चूत में डालकर अपनी गोद में उठा कर जोर से चोदन क्रिया को चालू कर दिया.. जिससे मेरे स्तन उछलने लगे तथा उसकी छातियों से टकराने लगे।

कुल एक घण्टे की रेलम-पेल चुदाई के बाद कालू ने अपना सारा वीर्य मेरी चूत में छोड़ दिया.. तब तक मैं भी दो बार झड़ चुकी थी।

मेरी चूत से उसने अपना लण्ड निकाल लिया तथा मेरे गाण्ड को थपथपाते हुए बोला- अब अगली बारी इसकी होगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं कुछ समझ नहीं पाई। लेकिन मेरी सहेली ने मुझसे हंसते हुए कहा- मैं बाद में समझा दूँगी।

अब तक फ़िल्म भी समाप्त हो चुकी थी। मेरी चूत से वीर्य और खून रिस कर चू रहा था.. तथा मैं लंगड़ाकर किसी तरह अपने कमरे में पहुँच पाई।

मेरी सहेली ने वहाँ आकर मुझे समझाते हुए कहा- यह तुम्हारी पहली चुदाई थी.. आगे तुमको और मजा आएगा। पढ़ाई और चुदाई साथ-साथ होने से तुम खिल जाओगी।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

अगले दिन मेरी सहेलियाँ मेरा हाल जानने आईं और मेरी पहली चुदाई पर मुझे ढेरों बधाइयाँ मिलीं।

अगले एक हफ्ते तक फिर कुछ नहीं हुआ।
रात में सोने पर मुझे अक्सर चुदाई की याद आने लगती थी, मेरी चूत में कुछ होने लगता था.. फिर मैंने अपनी उंगली पैंटी के अन्दर चूत में डालकर काम चलाना शुरू कर दिया.. जिससे अक्सर मेरी पैंटी गीली हो जाती थी.. पर कहाँ कालू का मूसल लण्ड और कहाँ एक पतली उंगली.. दोनों में बहुत फर्क था।

मैंने यह व्यथा अपनी सहेली को बताई जोकि कालू की गर्ल-फ्रेंड थी.. तो वह हंसने लगी और मुझे बड़े ही प्यार से कहा- अब तुम्हें लण्ड का चस्का लग गया है। वैसे तो कालू को अपने चूत की प्यास बुझाने के लिए मैंने फंसाया था लेकिन तुम्हारी सहेली होने के नाते आखिर तुम्हारी चूत का भी तो मुझे ध्यान रखना पड़ेगा।
यह कहकर उसने कालू को फोन करके मुझे रात में चोदने के लिए तैयार रहने को कहा।

मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। अब रात में मैं अपने कमरे का गेट बिना बंद किए ही

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सो गई। रात में मेरी कमर पर किसी का हाथ होने का एहसास हुआ। चौंक कर देखा तो पता चला कि कालू मेरे बदन के कपड़े उठाकर मेरे चूतड़ों को सहला रहा था। मेरी सहेली बगल में खड़ी होकर हँस रही थी।

फिर उसने ही बताया कि वो अभी कालू से चुदकर आ रही है.. फिर तुम्हारा ख्याल आया। उसने बताया- आज तुम्हारे पिछवाड़े पर कालू के चर्मदण्ड का प्रहार होगा।

मैं कुछ समझ नहीं पाई.. तब तक मेरी सहेली ने अपनी एक उंगली मुँह से निकाल कर मेरी गाण्ड के छेद में डालना शुरू कर दिया। आगे से कालू मेरे मुँह में अपना लण्ड डालकर आगे-पीछे करने लगा।

फिर मेरी सहेली ने कालू से कहा- मैंने तुम्हारे लिए पिछवाड़ा तैयार कर दिया है.. अब पेलने में देर न करो।

ये कहकर उसने अपनी उंगली घुमाकर निकाल लीं।

कालू ने पीछे होकर एक उंगली चूत में डालकर अपने लण्ड का सुपारा गाण्ड के छेद पर रख दिया और धीरे-धीरे दबाव बनाने लगा।

इससे मेरी कोरी गाण्ड का दर्द बढ़ने लगा.. मेरे दर्द को देखकर मेरी सहेली तेल लेकर आई और मेरी गाण्ड और कालू के लण्ड पर तेल का एक मोटा लेप लगा दिया।

वो मुझसे बोली- आगे तो खा लिया.. अब पीछे भी खाकर सम्पूर्ण चुदाई का आनन्द ले लो।

तेल में सने कालू ने अपने लण्ड को गाण्ड में पेलना शुरू कर दिया। कुछ बड़े धक्कों के बाद मूसल लण्ड गाण्ड की गहराइयों में समा चुका था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे अब मजा भी आने लगा था और सोचे जा रही थी कि बेशर्म होकर उतना मजा मिल रहा है.. जितना शर्मीला और शरीफ होकर कभी भी नहीं मिल सकता। कालू मेरे चूचों का भी ख्याल रखते हुए मसले जा रहा था।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डांट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

फिर कुछ देर पिछवाड़ा फतह करने के बाद अपना मूसल लण्ड निकाल कर कालू ने पीछे से ही गीली हो चुकी मेरी चूत में डालकर जोर से पेलना शुरू कर दिया.. लेकिन इस बार मुझे दर्द नहीं हुआ, आराम से लण्ड चूत की जड़ तक पहुँच कर स्वर्गिक सुख पहुँचाने लगा।

मेरी सहेली भी बीच-बीच में चोदन सुख में सहयोग कर रही थी। उस रात मैं आगे से.. पीछे से.. लेट कर.. खड़े होकर.. और घोड़ी बनकर.. कई बार चुदी।

अब मैं एक महा चुदक्कड़ बन चुकी थी.. लण्ड का चस्का मुझे लग चुका था। कामदेव की कृपा से उसी कालू से मेरी शादी भी मेरी सहेली के सहयोग से बाद में हुई।
उसने मुझसे वादा लिया कि जब भी उसे कालू से चुदने की जरुरत होगी.. तो मैं उसे मना नहीं करूँगी।

आज मुझे बिस्तर पर कालू के साथ सोने का शादी के बाद लाइसेंस मिल चुका है। मेरी सहेली की दूसरे लण्डधारी से शादी हो चुकी है.. फिर भी कभी-कभी वो अपने पुराने लण्ड को खाने आ ही जाती है। उसे दो लण्डों का सुख एक साथ प्राप्त है।
उसने मुझे अपने पति से भी चुदवाने का प्रस्ताव दिया.. किन्तु मेरे पति के मूसल लण्ड की ठुकाई से ही मुझे तृप्ति मिल जाती है.. मेरी चूत की प्यास बुझ जाती है।

आज मुझे सभी सुख प्राप्त हैं.. किसी दूसरे के लण्ड की तरफ नहीं देखना पड़ता।

आशा है कि मेरी कहानी आप सभी को अच्छी लगी होगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

tarika112233@yahoo.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

जवान मौसेरी बहन की रसभरी चुदाई

हैलो पाठको.. मैं सागर सिंह.. 19 साल का हूँ और दिखने में ठीक-ठाक हूँ। अच्छा ख़ासा गठीला जिस्म है। मेरा लण्ड 7 इंच लम्बा और 3 इंच मोटा है। यह मेरी पहली कहानी है.. जो मैं यहाँ पोस्ट कर रहा […]
Full Story >>>

अब्बू के दोस्त और मेरी अम्मी की बेवफाई -3

अंकल ने मेरी कमसिन जवानी का पहला रस पिया अब तक आपने पढ़ा.. अंकल ने फिर मेरी नन्हीं सी मासूम चूत में एक उंगली डाल दी। मैं जोर से 'आह्ह्ह..' करके सिस्कार उठी। कुछ देर के बाद मैंने अपनी चूड़ीदार […]
Full Story >>>

दोस्त की भतीजी संग वो हसीन पल-5

नाईट बल्ब की लाइट में हम सीढ़ियाँ उतरने लगे। मूसल जैसे लंड से चुदाई के कारण मीनाक्षी चल नहीं पा रही थी। सीढ़ियाँ उतरते हुए तो मीनाक्षी की आह्ह निकल गई। मैंने बिना देर किये उसको गोद में उठाया और […]
Full Story >>>

अब्बू के दोस्त और मेरी अम्मी की बेवफाई -2

अंकल की निगाह मेरे कमसिन जवानी पर अब तक आपने पढ़ा.. अंकल अम्मी को अपनी बाँहों में लेकर.. उनके होंठों को चूसने लगे, अब वो भी अंकल का साथ दे रही थीं। मेरे लिए यह अनुभव जन्नत से कम नहीं […]
Full Story >>>

दोस्त की भतीजी संग वो हसीन पल-4

जब मैंने अपना एक हाथ उसके पजामे के ऊपर से ही उसकी चूत पर रखा तो पजामा चूत के पानी से इतना गीला हो चुका था कि लगता था जैसे मीनाक्षी ने पजामे में पेशाब कर दिया हो। मैंने अपना […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Urdu Sex Stories

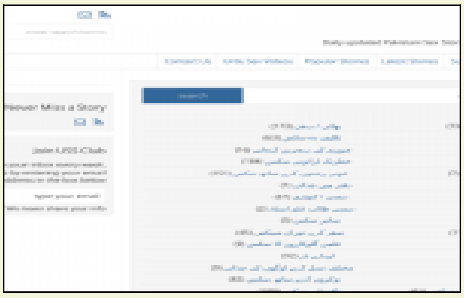

Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Meri Sex Story

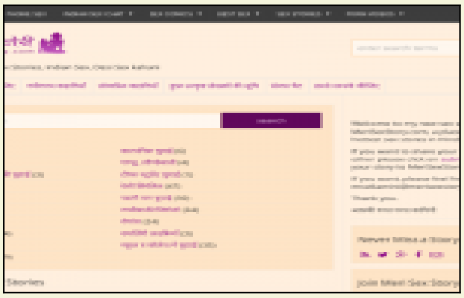

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire